Publication	**Amar Ujala**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	28/10/2025	**Page no**	16
CCM	19.16		

Fishermen given new strength, keys to two boats, able to venture into the deep sea

मछुआरों को मिली नई ताकत, दो नौकाओं की चाबी सौंपी, गहरे समुद्र में जा सकेंगे

मुंबई। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को मुंबई के मझगांव डॉक में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाली नौकाओं (डीप सी फिशिंग वेसल्स) का उद्घाटन और वितरण किया। इससे मछुआरों को एक नई ताकत मिली है, जिससे वे इन नौकाओं से गहरे समुद्र में जाकर टूना जैसी मछलियां पकड़ पाएंगे। शाह ने कहा, मत्स्य पालन के क्षेत्र में सहकारी समितियों को सशक्त बनाया जाएगा। अगले पांच वर्षों में हम एक ऐसा तंत्र बनाएंगे जो डेयरी, चीनी मिलों और बाजार समितियों की तरह मछुआरों के लिए काम करेगा, जिससे उनकी आर्थिक समृद्धि होगी। अगर मत्स्य पालन क्षेत्र में सहकारिता के सिद्धांत को लागू किया जाए, तो मछुआरा समुदाय सशक्त बनेगा। इससे उनकी दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक प्रगति सुनिश्चित हो सकेगी। इस योजना के तहत महाराष्ट्र सरकार, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम और केंद्रीय मछली पालन विभाग के वित्तीय सहयोग से लाभार्थियों को गहरे समुद्र में मछली पकड़ने की नौकाएं दी गई हैं। एक नौका की कीमत 1 करोड़ 20 लाख रुपये है। शाह ने कहा, आने वाले समय में ऐसी 200 नौकाएं तैयार की जाएंगी, जिससे 11,099 किलोमीटर लंबे समुद्री तट पर बनी अपार संभावनाओं को दोहन किया जा सकेगा और उसका लाभ सीधे मछुआरों तक पहुंचाया जाएगा। ब्यूरो

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Rajasthan Patrika**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	28/10/2025	**Page no**	2
CCM	74.28		

The successful model of co-operation is that the hardworking poor should become the owners of the profits: Shah

मझगांव डॉक में पीएम मत्स्य संपदा योजना के तहत गहन सागरीय मत्स्य नौकाओं का लोकार्पण

मुनाफे का मालिक मेहनतकश गरीब ही बने, यही सहकारिता का सफल मॉडल है: शाह

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

मुंबई/दिल्ली. केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि मुनाफे का मालिक मेहनतकश गरीब ही बने, यही सहकारिता का सफल मॉडल है। उन्होंने सोमवार को मझगांव डॉक, मुंबई में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 'गहन सागरीय मत्स्य नौकाओं' का लोकार्पण करते हुए कहा कि भारत के समुद्री मत्स्य पालन क्षेत्र के आधुनिकीकरण और तटीय क्षेत्रों में सहकारिता-आधारित विकास को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। मोदी सरकार 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने और ब्लू इकोनॉमी को मजबूत कर सहकारिता क्षेत्र की क्षमता का उपयोग करने के लिए कटिबद्ध है।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज जिन 2 ट्रॉलर का लोकार्पण हुआ है उससे आने वाले दिनों में न केवल भारत की मत्स्य संपदा संभावनाओं का दोहन करने की क्षमता बढ़ेगी बल्कि सहकारिता के माध्यम से मत्स्य उद्योग का मुनाफा मेहनत करने वाले हमारे गरीब मछुआरों के घर में पहुंचेगा।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि अभी ट्रॉलर पर मछली पकड़ने का कार्य करने वाला व्यक्ति तन्खवाह पर काम करता है लेकिन अब कॉपरेटिव बेसिस पर ट्रॉलर से मछली पकड़ने से होने वाला पूरा मुनाफा पर हर मछली पकड़ने वाले के घर में पहुंचेगा। शाह ने कहा कि अभी तो इस तरह के 14 ट्रॉलर दिए जाऐंगे परन्तु केंद्र सरकार, सहकारिता मंत्रालय और मत्स्य विभाग आने वाले समय में और भी ट्रॉलर मछली पकड़ने वाले भाइयों को कॉपरेटिव बेसिस पर देंगे। उन्होंने कहा कि ये ट्रॉलर 25 दिन तक गहरे समुंद्र में रह सकेगा और 20 टन तक मच्छलियां ढ़ो सकेंगे। इनके बीच में कुछ बड़े जहाज भी रहेंगे जो कॉरडिनेशन का काम करेंगे और बीच से मच्छली को उठा कर किनारे तक लाऐंगे। उन्होंने बताया कि ट्रॉलर के अंदर रहने और खाने-पीने की सुविधाजनक व्यवस्था भी है।

अमित शाह ने कहा कि मत्स्य पालन में भी सहकारिता हमारे सभी भाइयो-बहनों के जीवन का आधार बने इस दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाद में प्रोसेसिंग, एक्सपोर्ट और कलेक्शन करने वाले बड़े जहाज की भी योजना है। उन्होंने कहा प्रोसेसिंग भी वो करेंगे, चिलींग सेंटर उनके होंगे और एक्सपोर्ट भी हमारी मल्टीस्टेट एक्सपोर्ट कॉपरेटिव के माध्यम से होगा।

महाराष्ट्र के मझगांव डॉक में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 'गहन सागरीय मत्स्य नौकाओं' का लोकार्पण करते गृह मंत्री अमित शाह।

मछुआरों के लिए जल्द आएगी बड़ी योजना

शाह ने कहा कि करीब 11 हजार किलोमीटर लंबे समुद्री तट पर मछली पकड़कर अपनी आजीविका चलाने वाले गरीब भाई-बहनों के लिए आने वाले दिनों में बहुत बड़ी योजना बनने वाली है। उन्होंने कहा कि सहकारिता का कोन्सेप्ट यही है, चाहे दूध का उत्पादन हो, मंडी या मत्स्य पालन हो, इसके मुनाफे का मालिक मेहनतकश इंसान है। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाला एक गरीब जब आर्थिक रुप से संपन्न होता है तभी सही अर्थ में देश समृद्ध होता है। शाह ने कहा कि जो लोग देश की समृद्धि को जीडीपी की दृष्टिकोण से देखते है वो इतने बड़े देश की सामाजिक व्यवस्थाओं को नहीं समझते है। जिस देश की जनसंख्या 130 करोड़ से आगे बढ़ चुकी हो उसका इाइ जीडीपी देश को पूर्ण विकसित नहीं बनाता, हमें इसमें मानवीय दृष्टिकोण भी लाना पड़ता है। हर व्यक्ति और हर परिवार को समृद्ध बनाने के लक्ष्य के बगैर देश समृद्ध नहीं बन सकता है।

****

Downloaded from
SAMVAD